32 PAGES ANSWER BOOK

विषय Subject: Hindi

विषय कोड Subject Code: 051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam: 020323

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper: English

प्रश्न पत्र का सेट
Set of the Question paper: A

गोले भरने हेतु उदाहरण :-
सही तरीका :-
● ○ ○ ○
गलत तरीका :-
⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :-
इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO. 6095404
SUB. 051 - HINDI
pk: 1
Bag: 10511531

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कु... में

ST-16 A4

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
इन्दु पाराशर G. H. S. S. No. 02 M. No. 1610354	com

कृ

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 1

उत्तर ·1 (अ) चार कालों में
उत्तर ·2 (द) कपड़े पहनाती है
उत्तर ·3 (स) वैसे की
उत्तर ·4 (अ) दत्ताजी राव के यहाँ
उत्तर ·5 (ब) नाभिक
उत्तर ·6 (स) शब्दालंकार

उत्तर क्रमांक - 2

उत्तर ·1 कागज के पन्ने से
उत्तर ·2 बिड़ला मन्दिर
उत्तर ·3 सरल वाक्य
उत्तर ·4 मात्रिक
उत्तर ·5 लेखक
उत्तर ·6 ौ वर्ष की उम्र
उत्तर ·7 भूषण

उत्तर क्रमांक - 3

उत्तर ·1 हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग = भक्तिकाल
उत्तर ·2 छायावाद के प्रवर्तक कवि - जयशंकर प्रसाद
उत्तर ·3 मस्ती का सन्देश = हरिवंशराय बच्चन
उत्तर ·4 चौपाई छन्द = 16 मात्राएँ
उत्तर ·5 चित्रकार = चितेरा
उत्तर ·6 सम्पादकीय पृष्ठ = अखबार की अपनी आवाज

उत्तर क्रमांक - 5

उत्तर 1 दोहा छन्द
उत्तर 2 मुहावरा
उत्तर 3 ध्वनि व संवादों के माध्यम से
उत्तर 5 खजूर व अंगूर
उत्तर 5 पहलवान की ढोलक की आवाज
उत्तर 6 जयशंकर प्रसाद
उत्तर 7 लाल खड़िया चाक

उत्तर क्रमांक - 5

उत्तर 1 सत्य
उत्तर 2 सत्य
उत्तर 3 असत्य
उत्तर 4 सत्य
उत्तर 5 सत्य
उत्तर 6 असत्य

www.oddyindia.

उत्तर क्रमांक - 6 (अथवा)

कवि शमशेर बहादुर सिंह प्रभावाद और नई कविता के प्रमुख कवि हैं। वे दूसरे 'तार सप्तक' के महत्वपूर्ण कवि हैं। उन्होंने अनेक रचनाऐं लिखी जैसे - 'चुका भी हूँ नहीं मैं', 'काल तुमसे होड़ है मेरी' आदि।

PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 7 (अथवा)

लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लेने श्री राम भक्त हनुमान जी गये थे। लक्ष्मण जी मेघनाथ के प्रहार से युद्धभूमीं मे मूर्छित पड़े थें।

उत्तर क्रमांक - 8

लेखक जैनेन्द्र कुमार ने 'बाजार दर्शन' निबन्ध में बताया है कि जब मनुष्य की जेब भरी हो और मन खाली तब ऐसी स्थिति में मनुष्य का मन ललचाने लगता है वह चाहता है कि बाजार से सारी वस्तुऐं खरीद ले जिसे लेखक ने बाजार का 'बाजारूपन' भी कहा है। ऐसी स्थिति में मनुष्य अपनी आवश्यकताओं को नहीं देखता वह सिर्फ पैसे की गर्मी देखता है।

उत्तर क्रमांक - 9

लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष के पेड़ को अत्यन्त कोमल बताया है। यह पेड़ वसन्त के आगमन के साथ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

खिलता है और पेड़ की तपती धूप और उमस, जब पृथ्वी अग्निकुंड बनी हुई होती थी तब यह अपना जादू बिखेरता है। मन हुआ तो भादो तक यह पेड़ अपना जादू बिखेरता है। लेखक ने कहा है कि यह पेड़ वायुमण्डल से अपना रस खींचता है।

उत्तर क्रमांक -10

लेखक का मन पाठशाला जाने के लिए तड़पता था। लेकिन दत्ता राव के कहने पर लेखक के दादा ने उसे पाठशाला जाने की अनुमति दे दी। लेकिन उन्होंने ने कहा कि सुबह जल्दी घर से निकलना और खेत पर पहुँच कर पानी देना अपना बस्ता भी साथ में लाना और ग्यारह बजे पाठशाला जाना और जैसे ही पाठशाला खत्म हो वैसे ही घर पर बस्ता रखकर खेत पर पहुँच जाना, और यदि खेत में अधिक काम हुआ तो पाठशाला नहीं जाना आदि शर्तों के साथ उन्होंने लेखक आनन्द की पाठशाला जाने की अनुमति दे दी।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPA

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 11

① नए और अपरिचित विषयों के लेखन से छात्रों में नए विचार उत्पन्न होते हैं।

② वे कुछ ~~लिख~~ नया लिखने के लिए तत्पर रहते हैं

③ वे नयी चीजों को जानने लगते हैं।

उत्तर क्रमांक - 12 (अथवा)

सन्देह अलंकार :- जहाँ रंग, रूप, गुण आदि की समानता के कारण प्रस्तुत वस्तु को देखकर यह पता न चले कि यह वही वस्तु है वहाँ सन्देह अलंकार होता है।

उदाहरण :-

सारी बीच नारी है कि नारी बीच सारी है कि सारीही की नारी है कि नारी ही की सारी है।

उत्तर क्रमांक - 13 (अथवा)

लक्षणा शब्द शक्ति :- जब किसी का शब्द / के अर्थ का अभिधा के मुख्यार्थ के द्वारा बोध नहीं हो पाता तब उस शब्द के अर्थ का बोध कराने

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

वाली शब्द शक्ति को 'लक्षणा शब्द शक्ति' कहते हैं।

उदाहरण :- सुनील ने आसमान सिर पर उठा रखा है।

उत्तर क्रमांक - 14

तकनीकी शब्द :- किसी भी विषय से सम्बन्धित ऐसे शब्द जो विशेष रूप से उस विशय की चर्चा के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं वे तकनीकी शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण :- गुरुत्वाकर्षण, नाभिक, यज्ञ, जप आदि

उत्तर क्रमांक - 15

उत्तर (i) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

उत्तर (ii) जंगल में शेर दहाड़ने लगा।

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 8

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक -16

हरिवंशराय बच्चन :-

(i) दो रचनाएँ :- मधुशाला, मधुबाला, तेरा हार मिलनयामिनी आदि।

(ii) भावपक्ष :- कवि हरिवंशराय बच्चन की रचनाओं में हालावादी दर्शन देखने को मिलता है। कवि बच्चन जी ने अपनी रचनाओं से नीरस और सुस्त विषयों को भी प्रभावशाली, उद्देश्य पूर्ण बना दिया। कवि बच्चन जी ने हालावाद के साथ-साथ रहस्यवादी चेतना को भी अपनी रचनाओं में शामिल किया। उन्होनें सामाजिक चेतना पर भी जोर दिया है।

कलापक्ष :-

(अ) भाषा :- कवि हरिवंशराय बच्चन ने अपनी रचनाओं में शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग किया है जिसमें संस्कृत की तत्सम शब्दावली का भी समावेश है।

(ब) शैली :- कवि बच्चन जी ने वैसे तो अनेक शैलियों का प्रयोग किया है लेकिन मुख्य रूप से प्रांजल शैली का प्रयोग किया है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SE

अलंकार :- इन्होंने अपनी रचनाओं में विभिन्न अलंकारों का प्रयोग किया जिसमें प्रमुख है अनुप्रास, यमक उपमा आदि।

बिम्ब योजना :- कवि हरिवंश राय बच्चन की बिम्ब योजना सुन्दर, सटीक व सार्थक है।

साहित्य में स्थान :- कवि हरिवंशराय बच्चन हालावाद प्रवर्तक हैं। वे छायावादी युग के प्रमुख कवि हैं। कवि बच्चन की प्रतिष्ठा और आदर हिन्दी साहित्य में सर्वमान्य है। उनका स्थान हिन्दी साहित्य में अद्वितीय है।

उत्तर क्रमांक -17

धर्मवीर भारती :-

दो रचनाऐं :- सूरज का सातवाँ घोड़ा, गुनाहो का देवता, अन्धायुग, ठण्डालोहा आदि आपकी प्रमुख रचनाऐ हैं।

भाषा :- धर्मवीर भारती की भाषा सरल, सहज, भावपूर्ण है। शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग जिसमें संस्कृत के

तत्सम, अंग्रेजी, उर्दू आदि शब्दावली का प्रयोग हुआ है। उन्होंने ऐसी भाषा का अपनाया पाठको को आसानी से समझ आ जाये।

शैली :- धर्मवीर भारती ने अपनी रचनाओं में ~~अपने~~ अनेक प्रकार की शैली का प्रयोग किया है। जहाँ घटनाओं, स्थितियों, स्थानों का वर्णन हुआ है वहाँ वर्णात्मक शैली का प्रयोग हुआ है। वह किसी भी परिस्थिति, दृश्य, व्यक्ति, घटना का चित्र प्रकट करने ~~सम~~ सक्षम है वहाँ चित्रात्मक शैली का प्रयोग हुआ है। गम्भीर और विचार प्रधान विषयों में विवेचनात्मक शैली का प्रयोग सरस ढंग से किया है। इसके अलावा उन्होंने भावात्मक शैली का भी बहुत सुन्दर, सटीक प्रयोग किया है।

साहित्य में स्थान :- धर्मवीर भारती का हिन्दी साहित्य में महत्त्वपूर्ण स्थान है। धर्मवीर भारती लम्बे समय तक याद रखे जाने वाले कवि हैं। उनके इस विलक्षण योगदान के कारण हिन्दी साहित्य में उनका स्थान सर्वमान्य है।

BSE

Copier Label ST-16

उत्तर क्रमांक -18

जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से महान है।

जननी और जन्मभूमि दोनो के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जननी जो हमें जन्म देती है अर्थात हमारी माता, बहन, बेटी आदि। जो कभी भी अपने परिजनों को कष्ट में नहीं देख सकती और उनके कष्टों को अपना कष्ट समझती है दूसरी ओर जहाँ जन्मभूमि पर हम सभी रहते है जन्मभूमि हमेशा परोपकार की भावना रखती है। वह मनुष्य से कुछ भी लिए बिना सदैव देने के लिए तत्पर रहती है। जैसे अनाज, पानी, खाद्य पदार्थ आदि जिससे मनुष्य का जीवन स्वर्ग के समान हो गया है। अतः सत्य ही है जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से महान है।

उत्तर क्रमांक -19 (अथवा)

(क) हास्य का व्यंग्य की महत्ता व हँसने का महत्व

(ख) नीरस जीवन को हास्य - व्यंग्य सुखद बना देता है।

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र. (ग)

सार :- प्रस्तुत ~~पद्यांश~~ गद्यांश में जीवन में हँसने का महत्त्व बताया है। आज युग के तनाव भरे जीवन ने मनुष्य को अकेला और उदास बना दिया है। जिससे मनुष्य जीवन अत्यन्त दुःखी हो गया है। वह हँसना ही भूल गया है। वह छोटी - छोटी बातों पर गुस्सा हो जाता है और उन बातों को दिल में लम्बे समय तक रखता है। ऐसे में इन तनावों को दूर करने का सबसे आसान तरीका हँसना है। अंग्रेजी की प्रसिद्ध कहावत है - हँसना एक औषधि की तरह काम करता है। प्रस्तुत गद्यांश में हँसने का महत्त्व बताया है।

BSE

उत्तर क्रमांक - 20

संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के 'पतंग' नामक पाठ से अवतरित है। जिसके रचयिता है आलोक धन्वा।

प्रसंग :- प्रस्तुत पद्यांश में कवि आलोक धन्वा ने शरद के आगमन ~~और~~ पर प्रकृति में आए परिवर्तन का वर्णन किया है।

व्याख्या :- प्रस्तुत पद्यांश में कवि आलोक धन्वा ने शरद ऋतु का वर्णन किया है। वे कहते हैं कि सबसे तेज बारिश वाला महीना (भादों) बीत चुका है। और शरद ऋतु एक छोटे बच्चे के समान अपनी नयी चमकीली साइकिल को तेजी से ~~चलाते~~ चलाते हुए अपने आगमन का सन्देश दे रहा है। नयी सुबह का चमकता सूरज खरगोश की ~~आ~~ आखों की सरीखी लालिमा लिए हुए है। ई प्रकृति में अनेक परिवर्तन हुए हैं। पेड़ों के पत्ते बारिश में धुलकर ऐसे लग रहे हैं जैसे हाल ही में किसी ने उन पर हरा रंग लगा दिया हो। शरद ऋतु ने ऊपर के वातावरण को हल्का बना दिया है। जिससे बच्चे अपने हाथों में पतंगों की डोर थामें हुए छतो पर पहुच गये। इस प्रकार शरद ऋतु के आगमन पर प्रकृति में अनेक परिवर्तन हुए हैं।

काव्य सौन्दर्य :- ① सरल, ~~सरल~~ सहज, सुबोध बोली का प्रयोग है।
अनेक अलंकारो और विभिन्न रसो का प्रयोग।
शरद ऋतु का वर्णन।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 2।

संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के 'पहलवान की ढोलक' पाठ से अवतरित है। जिसके लेखक हैं फणीश्वर नाथ रेणु।

प्रसंग :- प्रस्तुत पद्यांश मे लेखक ने लुट्टन पहलवान की चरित्र विशेषताओं का उल्लेख किया है।

व्याख्या :- प्रस्तुत पद्यांश में लेखक फणीश्वर नाथ रेणु ने लुट्टन पहलवान की विशेषता बताते हुए कहते हैं कि लुट्टन पहलवान बहुत ताकतवर और जोसीला है। वह जब श्यामनगर के मेले में कुश्ती होती हुई देखता है तो उससे रहा नहीं जाता और वह ढोल के बच्चे 'चाँद सिंह' को चुनौती दे देता है। जिससे चारो पहलवान की चर्चा होने लगी। राज साहब ने पहलवान को पहले रोका फिर लड़ने की अनुमति दे दी। लुट्टन पहलवान ने बहुत शानदार तरीके से चाँद सिंह को हरा दिया। और राजा साहब को प्रसन्न कर

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

राजमहल का दर्शनीय जीव बन गया। जिससे उसकी जिन्दगी सुधर गई। प्रस्तुत पद्यांश में लेखक ने पहलवान की किसी से न डरने की विशेषता को उजागर किया है।

विशेष :- ① शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग।
② ग्रामीण जीवन का उल्लेख।
③ आमबोल की भाषा का प्रयोग।

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - २२

प्रति
जिलाधीश महोदय,
श्योपुर (म॰प्र॰)

विषय :- ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,
विनम्र निवेदन है कि मैं श्यामनगर में रहता हूँ। मेरी बोर्ड परीक्षाऐं निकट है ऐसे मे मुहल्ले वाले सुबह से रात तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग कर ध्वनि प्रदूषण फैला रहे है। जिससे हमें पढ़ने में अत्यधिक कठिनाई आ रही है।

अतः आपसे निवेदन है कि परीक्षा काल में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबन्ध लगाने का कष्ट करे आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद
प्रार्थी
नाम :- अ, ब, स
श्यामनगर
श्योपुर (म॰प्र॰)
दिनांक - 18-02-23

BSE

उत्तर क्रमांक - 23

वृक्षों की उपयोगिता

प्रस्तावना :- पृथ्वी पर जल, अग्नि, अन्न, वायु आदि प्रमुख जीवन यापन वस्तुओं के साथ वृक्षों का भी बहुत महत्त्व होता है। वृक्ष के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना करना सम्भव नहीं है।

वृक्षों के लाभ :- वृक्षों के अनेक लाभ हैं वृक्ष पर्यावरण प्रदूषण को कम करते हैं। भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसके लिए जल की आवश्यकता होती है। वृक्षों से जल की उत्पत्ति है। वृक्षों से अनेक फल जैसे - आम, केला, पपीता आदि प्राप्त होते हैं।

मानव जीवन में वृक्षों का महत्त्व :- मानव जीवन में वृक्षों का अधिक महत्त्व है। वृक्षों से ही ऑक्सीजन प्राप्त होती है। जो कि मानव जीवन का आधार है।

वृक्ष संरक्षण :- हमें हमेशा वृक्षों का संरक्षण करना चाहिए। जिसके

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

के लिए भारत में अनेक योजनाएं चलाई गई। वृक्षों के महत्त्व को सुन्दर लाल बहुगुणा जैसे महान व्यक्ति ने उजागर किया है। अतः हमें वृक्षों को काटने से रोकना चाहिए।

उपसंहार :- भारतीय संस्कृति में वृक्षों की पूजा भी की जाती है। परन्तु वर्तमान समय के लोग अपने ऐशो आराम के लिए पेड़ों को काटते जा रहे हैं जिससे रूखा चारो ओर रूखा हो गया है। अतः हमें वृक्षों को काटना नहीं चाहिए। हमें हमेशा वृक्ष लगाना चाहिए जिससे पर्यावरण को सुरक्षित कर सके।

BSE